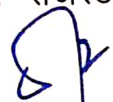


न्यायालय उपखण्ड अधिकारी किशनगढबास (अलवर)

प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट

दर्शनसिंह बनाम फजरु

रीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
10.5.22	<p>आज यह प्रार्थना पत्र के अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.एक्ट वास्ते अस्थाई निषेधाज्ञा वकील प्रार्थी ने दावे के साथ पेश किया। दावा वो प्रार्थना पत्र को पढा गया। वकील वादी/प्रार्थी को एक पक्षीय सुना गया। बहस वकील प्रार्थी वो प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न दस्तावेजात वो शपथ पत्र प्रार्थी से प्रार्थी का प्रथम दृष्टया मामला प्रतीत होता है। सुविधा सन्तुलन प्रार्थी के पक्ष में है नापूर्ति क्षति भी प्रार्थी को ही है।</p> <p>अतः उभयपक्ष /अप्रार्थीगण को जर्ये अस्थाई निषेधाज्ञा दिनांक 14.06.22तक इस अमर से पाबन्द किया जाता है कि अप्रार्थीगण आराजी ख0 सं0 हाल 148 रकबा 0.2700हे0, 149 रकबा 0.2000हे0, 150 रकबा 0.1300हे0 वाके ग्राम तीतरका तहसील किशनगढबास के आगामी पेशी तक रिकार्ड एवं मौका की यथास्थिति बनाये रखे।</p> <p>क्योना यह आज्ञा ताफैसला दावा स्थाई कर दी जावे जो भी आपत्ति हो हाजिर अदालत होकर उत्तर पेश करे, प्रार्थी इस अमर का रजिस्टर्ड ए.डी. तलबाना पेश करे। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर होकर दिनांक 14.06.22 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">  उपखण्ड अधिकारी किशनगढबास(अलवर) </p>	
14-6-22	<p>वकील प्रार्थी उप0। पी.ओ. साहब जय गयि नै पस्त है दिनांक 26-7-22 को पेश हो। रजिस्टर</p> <p>26-7-22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अन्य कार्य में लगे हैं/बाहर पधारे हैं। उभयपक्ष के ऑन.उप. आयन्दा दिनांक 26-7-22 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रीडर</p>	

13-9-22 वनीलपार्क इण्डिया रिकॉर्ड एडि. से तत्वना पेश किया। जरी एंकर इंतवार वनील पत्रावली दिनांक 31-10-22 को पेश है।

31-10-22 पत्रावली पेश हुई। प्रतिवर्तियों 1, 2 को अरे से उपखण्ड अधिकारी किशनगढ़वास (3) वनात्मना पेश हुआ शाण्मिठ किया गया। P.O साहब अन्य कार्य में व्यस्त है। आगामी 28-11-22 दिनांक को पेश है।

28/11/22 पत्रावली पेश हुई। पी.ओ. साहब अवकाश पर अन्य कार्य में व्यस्त हैं। साहब पत्रावली पेश करें। उभयपक्ष के अधि. उप. आयुक्त दिनांक 20/12/22 को पेश हो।

रीडर

राजेश कुमार

शाण्मिठ

नावलसिंह

12-12-22 पत्रावली जर्नी के जर्नल पत्र पर

पेश हुई। जर्नी ने वाक विज्ञा हेतु जर्नल पत्र पेश किया। थुंके वाकी का वाक विज्ञा किया जा चुका है। अतः जर्नल पत्र भी इसी आधार पर विज्ञा किया जा रहा है। जर्नल पत्र केसब शुमार होकर वाक लक्ष्मिल वाखिल लेख अंडार है, मुजामा गया।

उपखण्ड अधिकारी
किशनगढ़वास (अलवर)